ween the security police, intelligence and armed forces?

Shri Y. B. Chavan: Neither of the points the hon. Member raised are correct. We are effectively meeting these intrusions. As I mentioned last time a large number of intruders were killed and some were wounded also.

Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): May I know if the Government has made any assessment of the strategic points from where Pakistanis infiltrate into India and carry on armed intrusion; if so, how it is that fire is opened on an Indian village defence party injuring twelve persons out of whom seven were grievously injured?

Shri Y. B. Chavan: Sir, the point is, as far as strategic points and armed intrusions from there are concerned, they can be considered and thought of, but about dacoits entering into areas it is rather very difficult to anticipate those areas. Even there we have taken steps to form local defence parties which can look after these incidents. In this particular instance, the members of the defence party bravely faced those people and, naturally, when they opened fire some of them suffered injuries.

12.20 hrs.

RE. BANARAS HINDU UNIVERSITY

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, इस से पहले मैं एक बात सदन के सामने रखना चाहतता हूं जिस के लिए मैंने आप को लिखित रूप में भी दिया है। डा० लोहिया का जो तार आप के नाम आया, वह मेरे दल के सदस्यों ने मेरे नाम भेजा है। एक श्री राजनारायण सिंह का तार है। ये तार काशी विश्वविद्यालय के बारे में हैं।

अध्यक्ष महोदय : काशी विश्वविद्यालय का सवाल आप आज कैसे उठा सकते हैं ?

श्री बागड़ी : वह लोक सभा के मेम्बर हैं एक सभा में किसी एक सवाल पर भाषण करते हुए उन पर हमला, आक्रमण, हुआ है। देश में जो कुछ दुर्घटनायें फैलने वाली है, उन के बारे में उन्होंने आप को तार दिया है। मैं सिर्फ उस तार को पढ़ कर आप को सुना देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : नहीं। यह भी मैं अर्ज कर दूं कि किसी माननीय सदस्य के मुझे यह लिख देने कि मैं फलां सवाल उठाना चाहता हूं, का मतलब यह नहीं है कि उन को इजाजत मिल गई है या उसको यह हक हो गया है कि वह खड़ा हो कर उस सवाल को उठा ले। इस बारे में मेरी सम्मति भी जरूरी है। जो तार आया था, मैंने उस का जिक्र कर दिया था, जो बिल्कुल गैरमामूली था और जिस की जरूरत नहीं थी। जब बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के बारे में बिल आयेगा, तब देखेंगे। जब यह मजमून सामने आयेगा, तब आप यह सवाल उठा सकते हैं।

श्री बागड़ी : मैं आप को बताना चाहता हूं कि यह सवाल कैसे उठता है।

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त नहीं उठ सकता है।

श्री बागड़ी : मैं एक मिनट में कह देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य इस वक्त उस को जाने दें। मैंने उस तार का जिक्र कर दिया था। अब उस को नहीं उठाया जा सकता है।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, जिस पत्थर पर "काशी विश्वविद्यालय" लिखा हुआ है, उस को तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : मैं जा कर उस को बन्द नहीं कर सकता हूं।

श्री बागड़ी : प्रधान मंत्री जी बैठे हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल इस वक्त नहीं उठाया जा सकता है।